पुरु दाधीच
अकादेमी पुरस्कारः
प्रदर्शन कला में समग्र योगदान

PURU DADHEECH
Akademi Award:
Overall Contribution in the Performing Arts

Born on 17 July 1939 in Ujjain, Madhya Pradesh, Shri Puru Dadheech received his training in Kathak dance of Jaipur gharana under Gurus Durga Prasad, Narayan Prasad and Sunder Prasad. He studied the *Natyashastra* under Babulal Shastri and Sahitya under Shivmangal Singh Suman and Acharya Shrinivas Rath.

Shri Puru Dadheech is credited for his pioneering work in bringing Kathak into the mainstream formal education system. He is the recipient of the first Kathak Sangeetacharya (then DMus) degree, which he got for his thesis *Kathak Nritya ka Udbhava aur Vikas*. He also got a PhD for his exhaustive research on Kalidasa 'Sanskrit Prayog Vigyan aur Kalidasiya Rupak'. He has authored several books including *Kathak Nritya Siksha* Vol. I and Vol. II, *Abhinaya Tal Manjari*, *Nritya Sutram*, *Nritya Nibandh* and *Natyashastra ka Sangeet Vivechan*. He has created numerous choreographic works using the Karanas, Angaharas and Mudras found in the *Natyashastra*. He has revived many ancient elements of Kathak dance tradition and has imparted training in dance at various institutions including the Bharata College of Performing Arts, Mumbai; Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya, Khairagarh; Bhatkhande College of Hindustani Music, Lucknow; Madhav Sangeet Mahavidyalaya, Ujjain; and Natwari Kathak Nritya Academy, Indore. He is currently serving as the Director of the first dedicated Kathak research centre at the Sri Sri University, Cuttack. Many PhD scholars have also received their doctorate under his guidance.

Shri Puru Dadheech is a recipient of the Mahamahopadhyay (Hon. DLit) by the Akhil Bharatiya Gandharva Mahavidyalaya, Mumbai; the Shreshtha Kala Acharya by Madhuban, Bhopal; the Dhrupad Bhushan by the Drupad Kala Kendra; Shikhar Samman by Government of Madhya Pradesh; Uttar Pradesh Sangeet Natak Akademi Award by Uttar Pradesh Sangeet Natak Akademi; and the Padma Shri.

Shri Puru Dadheech receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his overall contribution in the performing arts.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

मध्य प्रदेश के उज्जैन में 17 जुलाई 1939 को जन्मे श्री पुरु दाधीच ने गुरु दुर्गा प्रसाद, नारायण प्रसाद और सुंदर प्रसाद के अधीन जयपुर घराने के कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपने बाबूलाल शास्त्री के अधीन नाट्यशास्त्र और शिवमंगल सिंह सुमन और आचार्य श्रीनिवास रथ के अधीन साहित्य का अध्ययन किया है।

कथक को औपचारिक शिक्षा प्रणाली की मुख्यधारा में लाने में अग्रणी भूमिका निभाने का श्रेय श्री पुरु दाधीच को दिया जाता है। आप कथक संगीताचार्य (तब डी. म्यूज़िक) की डिग्री प्राप्त करने वाले प्रथम विद्वान हैं। आपका शोध विषय था–कथक नृत्य का उद्भव और विकास। आपने कालिदास के ''संस्कृत प्रयोग विज्ञान और कालिदासिया रूपक'' पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की थी। आपने कथक नृत्य शिक्षा खंड 1 और 2, अभिनय ताल मंजरी, नृत्य सूत्रम, नृत्य निबंध और नाट्यशास्त्र का संगीत विवेचन सहित कई पुस्तकों की रचना की है। आपने नाट्यशास्त्र में विन्यस्त करणों, अंगहारों और मुद्राओं का उपयोग करके कई नृत्य संरचनाओं का निर्माण किया है। आपने कथक नृत्य परम्परा से सम्बद्ध कई प्राचीन तत्वों को पुनर्जीवित भी किया है। आपने भारत कॉलेज ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, मुंबई; इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़; भातखंडे कॉलेज ऑफ हिन्दुस्तानी म्यूज़िक, लखनऊ; माधव संगीत महाविद्यालय, उज्जैन; और नटवरी कथक नृत्य अकादमी, इंदौर सहित विभिन्न संस्थानों में नृत्य का प्रशिक्षण दिया है। वर्तमान में आप श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक में कथक को समर्पित पहले अनुसंधान केंद्र के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। आपके मार्गदर्शन में कई अध्येताओं ने पीएच. डी. की उपाधियाँ अर्जित की है।

श्री पुरु दाधीच को अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय, मुंबई द्वारा महामहोपाध्याय (डी.लिट्. की मानद उपाधि); मधुबन, भोपाल द्वारा श्रेष्ठ कला आचार्य; ध्रुपद कला केंद्र द्वारा ध्रुपद भूषण; मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शिखर सम्मान; उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार; और भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

प्रदर्शन कला के क्षेत्र में समग्र योगदान के लिए श्री पुरु दाधीच को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018